राहत | गांव के घरों में नल से पहुंचने लगा है शुद्ध जल

जल जीवन मिशन से खोड़सिवनी गांव में आई खुशहाली

नवभारत, बालाघाट। भारत सरकार द्वारा वर्ष 2019 में आरंभ किए गए जल जीवन मिशन का लक्ष्य ग्रामीण क्षेत्रों के प्रत्येक घर तक पाइपलाइन के माध्यम से स्वच्छ, सुरक्षित एवं पर्याप्त पेयजल पहुंचाना है। 'हर घर जल' के संकल्प के साथ यह मिशन ग्रामीण जीवन की मूलभूत आवश्यकताओं को सुदृढ़ बनाते हुए लोगों के जीवनस्तर में बड़ा परिवर्तन ला रहा है।

सतपुड़ा की पहाड़ियों में बसा बालाघाट जिला प्राकृतिक रूप से समृद्ध क्षेत्र है। विस्तृत वन संपदा, विविध जनजातीय एवं जातीय समुदायों का निवास इस क्षेत्र की विशिष्ट पहचान है। लेकिन लंबे समय तक यहां के ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल संकट बना रहा।

इसी संकट से जूझता था ग्राम खोड़सिवनी, जो बालाघाट मुख्यालय से लगभग 16 किलोमीटर दूर स्थित है और जहां की जनसंख्या लगभग 3420 है। गांव में पेयजल का प्रमुख स्रोत वर्षों कुएं, हैंडपंप और तालाब रहे। गर्मी के मौसम में जलस्तर गिरने से हैंडपंप प्रायः सूख जाते थे, जिससे महिलाओं को पानी लाने के लिए दूर-दूर तक पैदल जाना पड़ता था। गहरे कुओं से पानी निकालने में खतरा बना रहता था। लेकिन अब यह स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है। जल जीवन मिशन के तहत गांव में व्यापक कार्य किए गए हैं, जिससे ग्रामीणों को स्थायी और विश्वसनीय जल सुविधा प्राप्त हुई है। मिशन के अंतर्गत ग्राम खोड़सिवनी के 656 घरों में घरेलू नल कनेक्शन प्रदान किए गए हैं। इसके साथ ही गांव को 'हर घर जल ग्राम' घोषित किया गया है।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री श्री बी एल उईके ने बताया कि इस परियोजना ने ग्रामीणों, विशेषकर महिलाओं के जीवन में बड़ा परिवर्तन लाया है। जहां पहले पानी के लिए रोजाना संघर्ष करना पड़ता था, वहीं अब घर-घर नल की सुविधा उपलब्ध है। इससे समय की बचत, स्वास्थ्य में सुधार और जीवन की गुणवत्ता में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। खोड़सिवनी में जल जीवन मिशन की सफलता ग्रामीण विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो रही है, और यह गांव अब जल सुविधा से सम्पन्न होकर खुशहाली की ओर अग्रसर है।

किसानों को रबी में कम पानी वाली फसलें लगाने के लिए किया गया जागरूक

बालाघाट। लालबर्रा विकासखंड के ग्राम पंचायत खारी में 5 दिसंबर को किसानों के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित कृषि अधिकारियों एवं ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों ने किसानों को रबी सीजन में बोई जाने वाली फसलों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान किसानों को बताया गया कि रबी मौसम में धान की जगह चना, गेहूँ तथा अन्य लाभकारी रबी फसलें लगाने से उत्पादन बढ़ेगा और लागत में भी कमी आएगी। विशेषज्ञों ने रबी फसलों की उन्नत किस्मों, आधुनिक बीज उपचार तकनीकों तथा सिंचाई प्रबंधन के महत्व पर भी मार्गदर्शन दिया। इसके साथ ही किसानों को पराली प्रबंधन के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी देते हुए यह भी समझाया गया कि पराली को खेतों में जलाना पर्यावरण के लिए हानिकारक है।

तीसरी आंखों से धान खरीदी केंद्रों की निगरानी

6508 कृषकों से 2 लाख 69 हजार 694 क्विंटल धान की हुई खरीदी

नवभारत, बालाघाट। कलेक्टर व बैंक प्रशासक श्री मृणाल मीना के मार्गदर्शन में जिले के धान खरीदी केंद्रों में उपार्जन कार्य किया जा रहा है। जिसके चलते 05 दिसंबर सायं तक 6508 कृषकों से 2 लाख 69 हजार 694 क्विंटल धान खरीदी की गई है। इस वर्ष सभी खरीदी केंद्रों में सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से निगरानी की जा रही है।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला सहकारी केंद्रीय बैंक बालाघाट पी. जोशी के निर्देशन में 05 दिसंबर को धान खरीदी केंद्र कुम्हारी और समनापुर का औचक निरीक्षण एम.एल.यादव बैंक विपणन अधिकारी, राजेश नगपुरे फील्ड अधिकारी, अमरेश परिहार इन्वेंटरी मैनेजर द्वारा किया गया। इस दौरान किसानों से चर्चा की गई तथा पेयजल, बैठने की व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरों की स्थिति का जायजा लिया गया। दोनों ही केंद्रों में कैमरे चालू पाए गए साथ किसानों की बैठने की समुचित व्यवस्था पाई गई। बैंक अधिकारियों ने धान केंद्र प्रभारी और धान खरीदी में लगे अन्य कर्मचारियों को धान उपार्जन नीति अनुसार खरीदी किए जाने के निर्देश दिए गए।

जायसवाल ने ग्रामीणों को विकास कार्यो के लिये कराया आश्वस्त

देर रात्रि तक लोककला मंच के कार्यक्रम का ग्रामीणों ने लिया आंनद

नवभारत, वारासिवनी। सांवगी तुमडीटोला के सोमनाथ मेले मे शामिल होकर पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने ग्रामीण उत्सव की बधाई देते हुये ग्रम मे छोटे बडे विकास कार्यो के लिये आश्वस्त भी कराया। साथ ही मेला का भ्रमण कर छोटे छोटे व्यवसायीयो से व्यक्तिगत चर्चा कर उनके हालचाल को भी जाना।

मेले मे लोककला के सांस्क्रतिक कार्यक्रम को पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल, जिला पंचायत सदस्य लोमहर्ष बिसेन, जप सदस्य संदीप राणा आदि ने संबोधित भी किया। इस अवसर पर गुडडा भैया ने प्रदेश सरकार का संदेश ग्रामीणो को पहुचाते हुये कहा की पिछले साल टेल क्षेत्रो मे रबी की अधिक फसल लगाने के कारण किसानो को परेशानीयो का सामना करना पडा था। इसलिये इस साल प्रदेश सरकार ने पहले ही चेता दिया है की किसान वर्ग अतिरिक्त खतरा लेते हुये रबी की फसल नही लगाये।

जायसवाल ने यह भी कहा की लेकिन नदी, नहर आदि की पानी की सुविधा हो तो फसल अवश्य लगाये। बिजली आदि की सुविधा अवश्य मिलेगी। लेकिन रिस्क लेकर फसल नही लगाये, जिससे आपका कोई नुकसान हो सके।

कार्यक्रम के प्रारंभ मे अतिथी के रूप मे सर्वश्री रतन ठाकरे, जसवंत पटले, मिलिंद नगपुरे, संतोष आडे आदि का स्वागत भी किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने मे सर्वश्री धर्मचंद कावरे, मुकेश मराठी, अंबूलाल सहारे, नंदकिशोर आंचरे, दिनेश चैधरी, मुन्नालाल पटले आदि का सहयोग सराहनीय भी रहा।

निजी स्कूलों की मान्यता व नवीनीकरण के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रारंभ

नवभारत, बालाघाट। जिले के सभी निजी (अशासकीय) स्कूलों के लिए राहत भरी लेकिन सख्त खबर। आरटीई अधिनियम 2009 और राज्य नियम 2011 (संशोधित 2023) के अनुसार अब सभी अशासकीय स्कूलों को ऋञ्ञश्व स्क्क मोबाइल ऐप के माध्यम से ही नवीन मान्यता और मान्यता नवीनीकरण के लिए आवेदन करना अनिवार्य किया गया है। ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 31 दिसम्बर 2025 निर्धारित की गई है।

जिला परियोजना समन्वय जिला शिक्षा केंद्र श्री जीपी बर्मन ने बताया है कि इसमें उन स्कूलों को आवेदन करना है जिन स्कूलों की मान्यता 31 मार्च 2026 को समाप्त हो रही है, जो संस्थाएँ नया निजी स्कूल खोलना चाहती हैं, जो स्कूल कक्षा वृद्धि करना चाहते हैं तथा जो स्कूल उसी ग्राम/वार्ड में भवन बदलकर संचालन करना चाहते हैं। इसके साथ ही सत्र 2025-26 में नवीनीकरण नहीं कराने वाले स्कूल, ऐसे स्कूलों को इस वर्ष 10 हजार विशेष शुल्क के साथ आवेदन करना होगा। ऑनलाइन ऋञ्ञश्व स्क्कमोबाइल ऐप से आवेदन के लिए स्कूल भवन, कक्षाएँ, स्टाफ और संसाधनों की त्वद्गश्-ञ्ड्डद्द क्द्धश्वह्लश्वह्य अनिवार्य होगी। साथ ही सभी ऋञ्ञश्व मानक व मानदंडों की पूर्ति ज़रूरी होगी। आवेदन के 15 दिनों के भीतर विकासखंड स्त्रोत समन्वयक द्वारा स्कूल का निरीक्षण कर रिपोर्ट जिला परियोजना समन्वयक को प्रेषित की जाएगी। मानदंड पूरे होने पर मान्यता स्वीकृति प्रदान की जाएगी वहीं कमी होने पर स्कूल को ईमेल द्वारा सूचना दे दी जाएगी। निर्धारित समय में कमी दूर न करने पर आवेदन निरस्त किया जाएगा।

बताया गया है कि यदि जिला परियोजना समन्वयक द्वारा मान्यता आवेदन निरस्त किया जाता है, तो संस्था 30 दिनों के भीतर कलेक्टर के समक्ष प्रथम अपील कर सकती है। अपील के साथ सभी कमी पूर्ति दस्तावेज एवं जियो-टैग फोटो अपलोड करना अनिवार्य है। आवेदन की प्रक्रिया 4 दिसम्बर से प्रारंभ होकर 31 दिसम्बर 2025 तक की जाएगी। सभी निरीक्षण, रिपोर्ट व अपील की प्रक्रियाएँ तय समयसीमा में अनिवार्य की गई है। श्री बर्मन ने स्पष्ट रूप से कहा है कि

कोदो-कुटकी खरीदी का मुख्य केंद्र बना बैहर

नवभारत,बैहर। मध्यप्रदेश सरकार ने किसानों के हित में बड़ा कदम उठाते हुए प्रदेश के 16 जिलों में पहली बार रानी दुर्गावती श्री अन्न प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत कोदो और कुटकी की समर्थन मूल्य पर खरीदी शुरू कर दी है।

सरकार ने कोदो का समर्थन मूल्य 2500 प्रति क्विंट और कुटकी का 3500 प्रति क्विंट घोषित किया है। यह खरीदी 1 दिसम्बर 2025 से 15 जनवरी 2026 तक चलेगी। उपार्जन के बाद किसानों को प्रति क्विंट 1000 का अतिरिक्त बोनस भी प्रदान किया जाएगा। बालाघाट जिले में कोदो-कुटकी का कुल 987 हेक्टेयर क्षेत्र में 790 किसानों द्वारा पंजीयन कराया गया है।

जिले में उपार्जन हेतु बैहर को मुख्य खरीदी केंद्र बनाया गया है। इसके अलावा, मुख्य केंद्र से 25 किलोमीटर से अधिक दूरी पर स्थित ग्राम पंचायतों के लिए सप्ताह के निर्धारित दिनों में अस्थायी खरीदी केंद्र संचालित किए जाएंगे, जिससे किसानों को सुविधा मिल सके । प्रशासन ने सभी पंजीकृत किसानों से आग्रह किया है कि वे निर्धारित अवधि में अपनी उपज समर्थन मूल्य पर बेचकर रानी दुर्गावती श्रीअन्न योजना का लाभ अवश्य प्राप्त करें।

पीएमश्री योजना अंतर्गत एक दिवसीय विशेष कार्यशाला का हुआ आयोजन

बालाघाट। पीएमश्री योजना के अंतर्गत 'किशोर-अवस्था जागरूकता:जागृति, सुरक्षा, कौशल, आत्मविश्वास एवं सम्मान' विषय पर एक दिवसीय विशेष कार्यशाला का आयोजन पीएमश्री केन्द्रीय विद्यालय बालाघाट में किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में मानसिक, शारीरिक एवं सामाजिक जागरूकता बढ़ाकर उन्हें चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ सामाजिक कार्यकर्ता श्रीमती फिरोजा खान एवं बाल रोग विशेषज्ञ एवं विद्यालय के पूर्व छात्र डॉ. स्मरण ठाकुर द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री अरुण कुमार तुमसरे, कार्यक्रम संयोजक श्रीमती ममता बावनकर (पीजीटी रसायन) तथा श्री संजय कुमार डोंगरे (पीजीटी जीवविज्ञान) मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

भव्यता के साथ मनाया गया मां अन्नपूर्णा उत्सव

नवभारत, बालाघाट। बालाघाट के हृदय स्थल में स्थित सिद्ध पीठ अन्नपूर्णा मंदिर में एक माह से चल रहे अघन पर्व का आज भव्य समापन हुआ, सुबह हवन पूजन के पश्चात महा आरती और माता रानी को छप्पन भोग लगाए गए उसके पश्चात बाजे गाजे के साथ मन्नत कलशों का विसर्जन किया गया।

हजारों की संख्या में माता रानी के भक्त विशेष रूप से महिलाएं द्वारा दरबार में पहुंचकर अपनी मन्नत माता रानी से पूरी होने पर उनका श्रद्धापूर्वक पूजन किया और अनेक महिलाओं ने अपनी नई मन्नतें माता रानी के दरबार में अर्जी लगाकर मांगी, माता रानी के दरबार में पहुंचे महिला श्रद्धालुओं को पुजारी द्वारा अक्षत एवं सुहाग की सामग्री देकर उन्हें सौभाग्यवती होने का आशीर्वाद दिया , ऐसी मान्यता है की माता रानी के दरबार के अक्षत प्राप्त कर यदि श्रद्धालु अपने घर के अनाज एकत्र करने के पात्र में रखते हैं तो उनके घर में कभी धन-धान्य की कमी नहीं होती।

ज्ञात होगी 117 साल पुराने सिद्ध पीठ अन्नपूर्णा मंदिर में अन्नपूर्णा उत्सव निरंतर अपनी बढ़ती ख्याति के लिए जाने जाने लगा है, दूर दूर से श्रद्धालु मंदिर में पहुंचकर अपनी हाजिरी लगाते हैं,। पश्चात शाम 4:00 बजे से माता रानी का विशाल भंडारा जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं प्रारंभ किया गया और लोगों को माता रानी को भोग लगाए गए भोजन को श्रद्धालुओं को परोसा गया।

विशाल भंडारे के पश्चात विशाल भंडारे एवं पूजन व्यवस्था में आज विशेष रूप से अन्नपूर्णा मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष पंकज अग्रवाल, सचिव सुशील वर्मा, उपाध्यक्ष ओम सोनी, हरिओम अग्रवाल कोषाध्यक्ष संदीप नेमा,संरक्षक प्रमोद तिवारी, विजय वर्मा , भोला शंकर शांडिल्य , कार्यकारिणी सदस्य सत्येंद्र श्रीवास्तव , अजय वर्मा, युवा प्रकोष्ठ के कुशल सोनी ,आकाश जैन, आर्यन वर्मा, रोहित सेन,सत्यम वर्मा, विनय शांडिल्य, उत्कर्ष वर्मा, सुरमा भाऊ, सिद्धांत वर्मा, सुमित चिज्जवानी, पराग चौहान, अनु शर्मा, शरद वर्मा, राहुल चित्मतवार, लालू सोनी, मनु सेन, श्रवण सेन, जय बंगाली, अनीस यादव, एवं अन्नपूर्णा मंदिर महिला प्रकोष्ठ की समस्त महिलाओं का विशेष सहयोग रहा।

सिविल अस्पताल बैहर बना देवदूत

नवभारत, बैहर। जिले के सिविल अस्पताल बैहर में 02 दिसम्बर का दिन ग्राम पोंगार की पुस्तकला तिल्लासी और उसके परिवार के लिए खुशियों से भरा रहा। आर्थिक रूप से कमजोर परिवार से आने वाली पुस्तकला इतनी सक्षम नही थी कि वह अपनी दूसरी डिलीवरी किसी निजी अस्पताल में करा सके। ऐसे में सिविल अस्पताल बैहर के डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ ने उसके लिए सचमुच देवदूत की भूमिका निभाई और उसकी पहली सिजेरियन डिलीवरी के बाद दूसरी नॉर्मल डिलीवरी कराई।

पुस्तकला पति शिवप्रसाद तिल्लासी के साथ अपनी दूसरी संतान के प्रसव के लिए 02 दिसम्?बर को सिविल अस्पताल बैहर पहुँची थी। उनकी पहली संतान का जन्म सिजेरियन ऑपरेशन से हुआ था, जिसके कारण इस बार चिंता और आशंका स्वाभाविक थी कि दूसरी डिलीवरी में काफी कठिनाईयों का समना करना पड़ेगा। लेकिन जैसे ही पुस्तकला को लेबर पेन शुरू हुआ, अस्पताल की टीम तुरंत सक्रिय हो गई और बीएमओ डॉ. हरीश मसराम, डॉ. अनंत लिल्हारे, पदमा परिहार, नर्सिंग ऑफिसर योगेश्वरी ऊईके एवं उर्मिला पटेल की देखरेख में बहुत ही सावधानी एवं कुशलता से पुस्?तकला की सुरक्षित नॉर्मल डिलीवरी कराई गई। कुछ ही समय बाद अस्पताल स्टाफ ने पुस्तकला की गोद में उसका नन्हा शिशु सौंपा। यह पल परिवार के लिए अपार खुशी लेकर आया और पूरे घर में उल्लास का माहौल बन गया।

इस प्रसव के लिए पुस्तकला पर किसी भी प्रकार का आर्थिक बोझ नहीं पड़ा। सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं ने न सिर्फ उसे सुरक्षित मातृत्व का उपहार दिया, बल्कि आर्थिक राहत भी प्रदान की। आज जच्चा-बच्चा दोनों स्वस्थ हैं और परिवार अपने नए सदस्य के आगमन पर बेहद आनंदित है। सिविल अस्पताल बैहर की चिकित्सा टीम की यह सेवा इस बात का सुंदर उदाहरण है कि सरकारी अस्पताल कैसे ग्रामीण और गरीब परिवारों के लिए उम्मीद, सुरक्षा और सहारा बनते हैं।

भारत में विज्ञान और प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इंडिया इंटरनेशनल साइंस फेस्टिवल 2025 का आयोजन

नवभारत, बालाघाट। भारत में विज्ञान और प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इंडिया इंटरनेशनल साइंस फेस्टिवल 2025 का आयोजन 6 से 9 दिसंबर 2025 तक पंचकुला, हरियाणा में किया जाएगा। यह महोत्सव वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, छात्रों, उद्योग जगत और आम जनता को एक मंच पर लाकर ज्ञान, नवाचार और अनुसंधान के अद्भुत संगम का अवसर प्रदान करता है।

इस वर्ष का मुख्य विषय है 'विज्ञान से समृद्धि - नवाचार और आत्मनिर्भर भारत के लिए ', जो विज्ञान के माध्यम से राष्ट्र और समाज की प्रगति को उजागर करता है। ढ्ढढ्ढस्स्न का उद्देश्य देश में वैज्ञानिक उपलब्धियों को प्रदर्शित करना, नवाचार और स्टार्ट अप संस्कृति को प्रोत्साहित करना, शिक्षा और उद्योग के बीच सहयोग स्थापित करना और जनता में विज्ञान के प्रति जागरूकता फैलाना है।

इस महोत्सव का आयोजन कई केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभागों और संस्थाओं के सहयोग से किया जा रहा है, जिनमें CSIR, DST, DBT, DoS, DAE, MoES शामिल हैं, साथ ही विज्ञान प्रचार में सहयोगी विज्ञान भारती भी इस आयोजन का हिस्सा है।

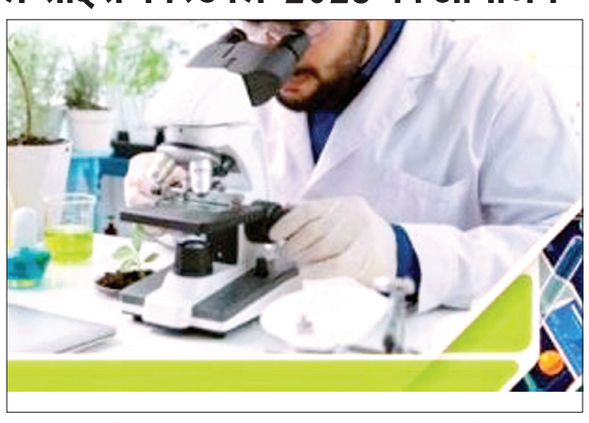

कार्यक्रम में देश-विदेश से वैज्ञानिकों को भी आमंत्रित किया गया है, जिससे ज्ञान और अनुभवों का वैश्विक आदान-प्रदान सुनिश्चित होगा। ढ्ढढ्ढस्स्न 2025 देश में विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण मंच साबित होगा और युवाओं को अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में करियर बनाने के लिए प्रेरित करेगा।

इस राष्ट्रीय महोत्सव में बालाघाट जिले के डॉ. दुर्गेश एम. आगासे जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। वे नेशनल सोशल ऑर्गेनाइजेशन्स एंड इंस्टीट्यूशन्स मीट (ह्स्ह्लढ्ढरू) कार्यक्रम में अपने कार्यों और अनुभवों की प्रस्तुति देंगे।

इस आयोजन के माध्यम से देशभर के वैज्ञानिकों, नवप्रवर्तकों, उद्योगपतियों, छात्रों और नीति-निर्माताओं को एक ही मंच पर लाया जाएगा, ताकि विज्ञान को समाजोपयोगी, नवाचार को व्यवहारिक और शिक्षा को प्रेरणादायक बनाया जा सके।

'महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अशोक मराठे ने राष्ट्रीय स्तर पर प्राप्त इस महत्वपूर्ण सम्मान के लिए डॉ. दुर्गेश एम. आगासे एवं को हार्दिक बधाई देते हुए उनकी उज्जवल शैक्षणिक और वैज्ञानिक उपलब्धियों की कामना की।'

विधायक भगत ने ऊर्जा एवं लोकनिर्माण विभाग के मुद्दों पर किया फोकस

नवभारत, बालाघाट। परसवाडा विधानसभा क्षेत्र 110 के विधायक मधु भगत ने वर्तमान शीतकालिन सत्र में अपनी सक्रियता को बनाये रखते हुए प्रश्न क्र. 1040 में ऊर्जा मंत्री से उन्होने पूछा कि बालाघाट जिले में क्या-क्या कार्य कितनी कितनी राशि में कराये गये, शासकीय स्वीकृति एवं निविदा तथा क्रियान्वयन एंजेसी को किये गये राशि के भुगतान का विवरण उपलब्ध कराये वहीं आरडीएसएस के कार्यो में निम्न स्तर की सामग्री उपयोग करने तथा वित्तिय अनियमितता किये जाने के संबंध में शिकायत की गई थी तथा चांगोटोला के आसपास आने वाले ग्रामों में विद्युत कनेक्टिविटि सिवनी जिले से होने के कारण तकनीकी समस्या बनी रहती है। इसमें लालबर्रा फिडर से जोडने हेतु क्या प्रयास किये गये। जबकि जिला प्रशासन ने कई बार इस समस्या को हाल किये जाने सहमति जताई।

इस सवाल के जबाव मे ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न तोमर ने बताया कि पांच वर्ष में मध्य पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी की विभागीय कार्ययोजना एवं प्रचलित आरडीएसएस योजना अंतर्गत किये गये कार्यो तथा संबंधित प्रशासकीय स्वीकृति निविदा का विवरण एवं क्रियान्वयन एंजेसी को किये गये भुगतान का विवरण पुस्तकालय में रखे परिशिष्ट के प्रपत्र अ अनुसार है।वहीं उपरोक्त योजना के अंतर्गत कार्यो की गुणवत्ता एवं क्रय कि गई सामग्री का निरीक्षण समय समय पर उचित अधिकारियों की टीम द्वारा किया जा रहा हैं ।कार्यो में भी यदि कमी परिलक्षित होती है तो उसका निवारण संबंधित निविदाकार कंपनी के माध्यम से कराया जाता है।

निविदा शर्तो के अनुसार सामग्री जैसे ट्रांसफार्मर, केबल कंडक्टर, ब्रेकर, पैनल इत्यादि का परिक्षण एनएबीएल प्रयोगशाला में कराया जाता है एवं इसका समय समय पर निरीक्षण किया जाता है। 33/11 केवी विद्युत उपकेन्द्र चांगोटोला को अति उच्चदाब उपकेन्द्र लालबर्रा से नियमित 33 केवी लामता फीडर से जोडा जा चुका है। बालाघाट जिले में कुल 49 आवेदन विद्युत प्रदाय हेतु लंबित है।

जिनकी विद्युत वितरण केन्द्रवार संख्यात्मक जानकारी प्रपत्र ब अनुसार है। विगत पांच वर्षो में म.प्र.पू. क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमि. जबलपुर के समस्त कार्यालयों के आय एवं व्यय की समेकित जानकारी पुस्तकालय में रखे परिशिष्ट प्रपत्र स अनुसार है।

विश्व एड्स दिवस पखवाड़ा, विविध कार्यक्रम आयोजित हुए

नवभारत कटंगी । प्राइवेट अरिहंत इंग्लिश मीडियम हाई सेकेंडरी स्कूल कटंगी में आईसीटीसी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कटंगी श्रीमान खंड चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कटंगी एवं जिला एड्स नियंत्रण इकाई जिला बालाघाट के दिशा निर्देश अनुसार आयोजित किया गया । जिसमें विश्व ऐड दिवस पखवाड़ा मनाया गया जो 1 दिसंबर से 15 दिसंबर तक चलाया जाना है इसके अंतर्गत आज प्राइवेट अरिहंत इंग्लिश हाई सेकेंडरी स्कूल कटंगी एवं शासकीय भोज महाविद्यालय कटंगी में रंगोली प्रतियोगिता ,भाषण प्रतियोगिता पोस्टर प्रतियोगिता , प्रश्न मंच में चयनित प्रतिभागियों को प्रथम ,द्वितीय, तृतीय, पुरस्कार स्मृति चिन्ह शील्ड एवं प्रमाण पत्र वितरण किए गए इसी का कार्यक्रम में अरिहंत इंग्लिश हाई सेकेंडरी स्कूल कटंगी में एचआईवी/ एड्स /यौन रोग पर कार्यशाला का आयोजन सरस्वती मां की पूजा अर्चना कर मुख्य अतिथियों का स्वागत पुष्प कुछ के द्वारा किया गया जिसमें निम्न कार्यक्रम जगह पर चंद्रदीप साहू परामर्शदाता एवं लैब टेक्नीशियन यशोमती रंगडालेआईसीटीसी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कटंगी द्वारा एचआईवी एड्स के लक्षण ,कारण ,एवं यौन रोग ,रेड लेबल क्लब की मेहता एवं 1097 निशुल्क हेल्पलाइन नंबर के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई एवं प्रश्न मंच कर छात्राओं को पेन व पेन पाउच वितरण किए गए एवं कन्या छात्रावास में प्रथम पुरस्कार प्राप्त करने वाली छात्राओं प्रथम स्थान कु कुमारी हर्षित रंगहडाले स्मृति चिन्ह प्रमाण पत्र प्राप्त किया, एवं द्वितीय पुरस्कार प्राप्त करने वाली कुमारी कुमारी रिद्धि चौधरी तृतीय अल्फा शेख पुरस्कार ने प्राप्त किया एवं सांत्वना पुरस्कार में आयुष चौधरी अक्षरा शुक्ला पोशिका गोसाडिया प्रश्न मंच के माध्यम से निम्न छात्राओं को प्रश्नों के सामान्य उत्तर देने पर पेन वितरण व पेन पाउच वितरण किया गए इस कार्यक्रम में मुख्य से रूप प्राचार्य भी मौजूद रहे।